इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4771

9 मई, 2013 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों के लिए अपर्याप्त लौह अयस्क

4771. डॉ. टी. सुब्बारामी रेड्डी:
डॉ. वी. मैत्रेयन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में उच्च गुणवत्ता वाले लौह अयस्क के भंडार अपर्याप्त हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ऐसी लौह अयस्क की खानों को विशुद्ध रूप से घरेलू इस्पात उद्योग द्वारा उपयोग किए जाने के लिए ही आरक्षित रखने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ड.) क्या घरेलू इस्पात उद्योग सामान्यतया लौह अयस्क की कमी का सामना कर रहे हैं; और

(च) यदि हां, तो घरेलू बाजार में उच्च गुणवत्ता वाले लौह अयस्क की बढ़ती जरूरत को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): दिनांक 01.4.2010 की स्थिति के अनुसार देश में लगभग 28.5 बिलियन टन लौह अयस्क के कुल संसाधनों में से उच्च ग्रेड लौह अयस्क (+ 65% लोहांश वाला) के कुल संसाधन लगभग 2.42 बिलियन टन हैं। लोहा और इस्पात उद्योग के विकास और नियोजित इस्पात क्षमता को ध्यान में रखते हुए देश में उच्च ग्रेड लौह अयस्क के मौजूदा संसाधन घरेलू लोहा और इस्पात उद्योग की दीर्घकालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते।

(ग) और (घ): जी, नहीं। इस्पात मंत्रालय में विशेष रूप से घरेलू इस्पात उद्योग के उपयोग के लिए लौह अयस्क खानें आरक्षित करने के लिए फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। 64 प्रतिशत से अधिक लोहांश वाले लौह अयस्क को एनएमडीसी के माध्यम से कैनलाइज और निर्यात किया जाता है। सरकार ने यह निर्णय लिया है कि देश के लौह अयस्क संसाधनों का संरक्षण इसके निर्यात को प्रतिबंधित/सीमित करके नहीं किया जाना चाहिए बल्कि उपयुक्त वित्तीय उपाय करके इसका संरक्षण किया जाना चाहिए। सरकार ने पैलेट को छोड़कर लौह अयस्क के सभी ग्रेडों पर यथामूल्य 30 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया है।

(ड.): वर्ष 2011-12 (अनंतिम) के दौरान लगभग 167.28 मिलियन टन (अनंतिम) लौह अयस्क का उत्पादन किया गया था जबकि घरेलू लोहा और इस्पात उद्योग द्वारा लौह अयस्क की कुल मिलाकर लगभग 116.3 मिलियन टन अनुमानित घरेलू खपत की गई थी। इसलिए, भारत में लौह अयस्क का उत्पादन लोहा और इस्पात उद्योग की कुल अनुमानित घरेलू खपत से अधिक था।

(च): घरेलू लोहा और इस्पात उद्योग हेतु सस्ती कीमतों पर लौह अयस्क की उपलब्धता में सुधार करने के लिए सरकार ने लौह अयस्क के सभी ग्रेडों (पैलेटों को छोड़कर) पर निर्यात शुल्क 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत यथामूल्य कर दिया है।

****